STD - VI
Ch - 11
सयानी बुआ

प्रश्नों और उत्तर

Date - 3.9.21 (Friday)

प्र-1 'सयानी बुआ' के नाम के बारे में लेखिका ने क्या विचार व्यक्त किए ?

उ- 'सयानी बुआ' के नाम के बारे में लेखिका ने यह विचार व्यक्त किया कि उनका वास्तविक नाम भी सयानी था, सायद उनके सयानेपन के वजह से उनका नाम किसीने सयानी रख दिया था, लेकिन जिसने भी उनका यह नाम रखा था वह निःसंदेह नामकरण विद्या का पारखी रहा होगा।

2- "मैंने साफ़ इंकार कर दिया कि मुझे आगे पढ़ना ही नहीं।" लेखिका ने ऐसा क्यों कहा ?

उ- सयानी बुआ बहुत घूसेवाली औरत थी। इसलिए जब सयानी बुआ के पास जाकर पढ़ने का प्रस्ताव लेखिका के सामने रखा गया, तब उन्होंने साफ़ इंकार कर दिया की उन्हें आगे पढ़ना ही नहीं है।

3- अन्नू नन्ही-सी उम्र में ही प्रौढ़ कैसे हो गई थी ?

उ- अन्नू नन्ही सी उमर में ही प्रौढ़ हो गई क्योंकि न ही उसमें बच्चों का सा उल्लास था और न ही कोई चहचहाहट। बस एक अज्ञात भय से वह घिरी रहती थी।

4- अन्नू के इलाज के लिए डॉक्टर ने क्या सलाह दी ?

उ- अन्नू के इलाज के लिए डोक्टर ने यह सलाह दी कि उसे पहाड़ पर ले जाया जाए, जितना अधिक हो सके उसे प्रसन्न रखा जाए और उसके मन-मुताबिक सारा कार्य किया जाए, और उन्होंने यह भी कहा कि माँ का साथ रहना ठीक नहीं।

PAGE NO.
Date : / /20

प्र- बुआजी के घर की दिनचर्या क्या थी ?

उ- बुआजी के घर की दिनचर्या कुछ इस प्रकार थी- ठीक पाँच बजे सब लोग उठ जाते, फिर एक घंटा मैदान में टहलना होता, उसके बाद चाय-दूध होता, उसके बाद अन्नू पढ़ने बैठती और भाई साहब अखबार या ऑफ़िस की फ़ाइलें देखते, फिर नौ बजते ही नहाना शुरू हो जाता, जो कपड़े बुआजी निकालतीं वही पहनना होता।

प्र- सुराही टूट जाने पर बुआजी ने नौकर को पीटा, क्या बुआजी का यह व्यवहार उचित था ?

उ- सुराही टूट जाने पर बुआजी ने नौकर को पीटा, बुआजी का यह व्यवहार उचित नहीं था। क्योंकि वह एक बच्चा था, और बच्चे तो क्या अकसर बड़ों से भी गलतियाँ हो जाती हैं। बुआजी को उसे समझाना चाहिए था और वैसे भी भारत सरकार के नियमों के अनुसार चौदह वर्ष से कम उम्र के बच्चों को काम करवाना एक घिनौनी अपराध है और इस वजह से बुआजी को जेल भी हो सकता था।